नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ का आयोजन

अपनी योग्यताओं को प्रमाणित कर आगे बढ़े – कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा, 07 सितंबर 2016: विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास के लिए विश्वविद्यालय अनेक प्रकार के अवसर अपने परिसर में विद्यार्थियों को मुहैया कराता है। इन अवसरों का लाभ उठाते हुए विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपनी योग्यताओं को समझकर उसे प्रमाणित कर जीवन में आगे बढ़े। यह बातें महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने विश्वविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के समक्ष रखी।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की ओर से दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम का समापन मंगलवार को कुलपति प्रो.मिश्र की अध्यक्षता में हबीब तनवीर सभागार में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर कुलानुशासक प्रो. सूरज पालीवाल, बिरसा मुण्डा छात्रावास के अधीक्षक डॉ. धरवेश कठेरिया, सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास की अधीक्षक डॉ. अवंतिका शुक्ला, भगतसिंह छात्रावास के अधीक्षक डॉ. रूपेश कुमार सिंह मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठी की संयोजक डॉ. शोभा पालीवाल ने किया। उन्होंने बताया की विद्यार्थियों को विभिन्न उपक्रमों एवं कार्यक्रमों में शामिल करने

के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है। उन्होंने आईक्यूएसी द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न उपक्रमों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि नवप्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियां तथा उपलब्ध सुविधाओं से अवगत कराने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कुलपति प्रो. मिश्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि समय और शक्ति का समुचित उपयोग

कर जीवन में सफल होने का प्रयास करना चाहिए। विश्वविद्यालय के नए परिवेश और संस्कृति में अपने-आप को ढ़ालकर यहां उपलब्ध सुविधाएं और संसाधनों का शिक्षा में आगे बढ़ने के लिए उपयोग करें। इस अवसर पर कुलानुशासक प्रो. सूरज पालीवाल ने विद्यार्थियों से आहवान किया कि वे छात्रावासों को अपने घर जैसा समझे

और वहां पर अच्छा वातावरण बना रहे इसका प्रयास करें। छात्रावास अधीक्षक डॉ. धरवेश कठेरिया, डॉ. रूपेश

कुमार सिंह तथा डॉ. अवंतिका शुक्ला ने अपने-अपने छात्रावासों में विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाएं आदि की जानकारी विद्यार्थियों को दी। दो दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम का उदघाटन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने

किया। उदघाटन समारोह में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्म, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय, छात्रावास अधीक्षक डॉ. शंभु जोशी, डॉ. धरवेश कठेरिया, डॉ. रूपेश कुमार सिंह तथा डॉ. अवंतिका शुक्ला

सहित सभी विभागों और केंद्रों के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की संस्कृति, परिवेश और सुविधाओं की जानकारी देना था। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शोभा पालीवाल ने किया। समापन समारोह में सहायक प्रोफेसर डॉ. मुन्नालाल गुप्ता, संदीप सपकाले उपस्थित थे।